भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई-400061
जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए "जलीय कृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं" पर 19-20 मार्च 2025 के दौरान दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

<u>प्रतिवेदन</u>

अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत, आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने राज्य मत्स्य विभाग, बिहार के सहयोग से 19-20 मार्च 2025 के दौरान बिहार के गया जिले में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए "जलीय कृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 30 पुरुष और 5 महिला प्रतिभागियों सहित कुल पैंतीस अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया और उन्हें जलीय कृषि इनपुट किट (फ़ीड और CIFAX रसायन) प्राप्त हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को जलीय कृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जानकारी देना; सामान्य रोगों की पहचान और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं पर अभ्यास कराना है। मत्स्य पालन के उप निदेशक, मगध क्षेत्र डॉ. विविप ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और किसानों के लिए ग्रामीण रोजगार और प्रभावी आय सृजन स्रोत के लिए जलीय कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला डॉ. कुंदन कुमार वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी, आईसीएआर-सीआईएफई ने मीठे पानी की मछलियों में होने वाली आम बीमारियों के बारे में जानकारी दी और डॉ. सौरव कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी, आईसीएआर-सीआईएफई ने जलीय कृषि में स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, प्रतिभागियों के लिए "जलीय कृषि में बीएमपी" पर एक बातचीत और व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। तालाब की स्थिति और जलीय कृषि में भोजन की पहचान करने के लिए चयनित स्थानीय अनुसूचित जाति के किसानों के तालाबों का दौरा भी प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों के साथ फीडबैक और समूह चर्चा आयोजित की गई। 20 मार्च, 2025 को समापन समारोह और किट वितरण मुख्य अतिथि डीएफओ, गया, बिहार और समन्वयकों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. कुंदन कुमार और डॉ. सौरव कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी, आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा डॉ. मेघा के. बेडेकर, प्रमुख, एईएचएम प्रभाग, आईसीएआर-सीआईएफई, डॉ. मुनीलकुमार सुखम, प्रधान वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी एससीएसपी, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के मार्गदर्शन में किया गया।

Scheduled Caste Sub Plan sponsored a training-cum-demonstration programme on "Best Management Practices in Aquaculture" for Schedule Caste farmers during 19-20 March at Gaya district, Bihar

Report

Under Scheduled Caste Sub Plan, ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai has organized a two days training-cum-demonstration programme on "Fish Health Management under Best Management Practices in Aquaculture" for Schedule Caste

farmers during 19-20 March, 2025 at Gaya district, Bihar in collaboration with State Fisheries Department, Bihar. A total thirty-five SC farmers consisting 30 male and 5 female participants were attended and received aquaculture input kits (Feed & CIFAX chemical) during the training program. The aims of the programme to impart the farmers about best management practices in aquaculture; hands-on the common disease identification and health management practices. The Deputy Director of Fisheries, Magadh Region Dr. Vivip inaugurated the programme and highlighted the importance of aquaculture for rural employment and effective income generation source for the farmers. Dr. Aklakur, Senior Scientist, CIFE Motipur regional center, Bihar delivered a lecture on "Feed Management in Freshwater Fish Culture" and highlighted the importance of feed for improving the fish production and health. Dr. Kundan Kumar Senior Scientist, AEHMD, ICAR-CIFE delivered and demonstrated about the common diseases in freshwater fishes & Dr. Saurav Kumar, Senior Scientist, AEHMD, ICAR-CIFE informed about the health management practices in aquaculture. Further, an interaction and practical demonstration on "BMP in aquaculture" was performed for participants. Local farm visits of the selected Scheduled cast farmers ponds for identifying the pond conditions & feeding in aquaculture was also demonstrated. The feedback and group discussion was conducted with participants. During valedictory function a kit distributions was facilitated by DFO, Gaya, Bihar and coordinators. The programme was coordinated by Dr. Kundan Kumar & Dr. Saurav Kumar, Senior Scientist, AEHMD, ICAR-CIFE under the guidance of Dr. Megha K. Bedekar, Head, AEHM Division, ICAR-CIFE, Dr. Munilkumar Sukham, Principal Scientist & Nodal Officer SCSP, ICAR-CIFE, Mumbai.

भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई-400061
जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग

भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई-400061
जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग

सतत जल कृषि के लिए मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर दिया गया प्रशिक्षण

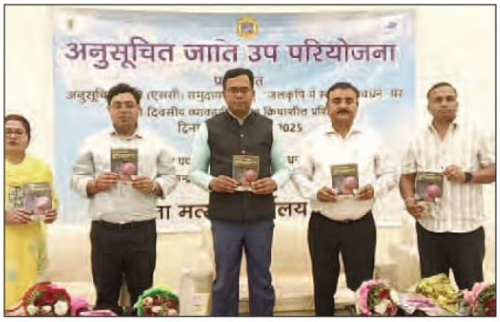

संवाददाता

गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय मत्स्य की शिक्षा संस्थान मुंबई एवं गया जिला मत्स्य कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत सतत जल कृषि के लिए उत्तम प्रबंधन पद्धति एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति समुदाय से 70 किसानों को व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के पहला दिन पर केंद्रीय मात्स्यिकी की शिक्षा संस्थान मुंबई के जलीय, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य विभाग के वैज्ञानिक डॉ कुंदन कुमार और डॉ सौरव कुमार ने मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर कृषकों को विस्तृत जानकारी दिए, वरिष्ठ वैज्ञानिक केंद्रीय मत्स्य शिक्षण संस्थान मोतीपुर केंद्र के डॉ अकलाकुर ने जल कृषि एवं सतत जल कृषि के लिए उत्तम प्रबंधन पद्धतियों पर चर्चा किया गया जिला मत्स्य कार्यालय, गया के उपमत्स्य निदेशक डॉ विपिन ने किसानों को मछली पालन में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर प्रकाश डाला वही गया जिला मत्स्य पदाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार ने किसानों को सरकार के विभिन्न योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मानपुर, टेकरी, बेलागंज के 70 किसान शामिल हुए। किसानों ने इस प्रशिक्षण का लाभ उठाया और उत्तम जल कृषि प्रबंधन एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रवासियों की विषय पर प्रशिक्षण लेकर मछली पालन की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ेगी और गया के किसान मछली उत्पादकता में अपनी अलग पहचान बनाएगी।

बिहार दैनिक | बिहार | गया

सतत जल कृषि के लिए मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर दिया गया प्रशिक्षण

(बिहार दैनिक रिपोर्ट)

गया : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय मत्स्यकी शिक्षा संस्थान मुंबई एवं जिला मत्स्य कार्यालय, गया बिहार के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत सतत जल कृषि के लिए उत्तम प्रबंधन पद्धति एवं मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति समुदाय से 70 किसानों को व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के पहला दिन पर केंद्रीय मत्स्यकी की शिक्षा संस्थान मुंबई के जलीय, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य विभाग के वैज्ञानिक डॉ कुंदन कुमार और डॉ सौरव कुमार ने मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर कृषकों को विस्तृत जानकारी दिए, वरिष्ठ वैज्ञानिक केंद्रीय मत्स्यकि शिक्षण संस्थान मोतीपुर केंद्र के डॉ अकलाकुर ने जल कृषि एवं सतत जल कृषि के लिए उत्तम प्रबंधन पद्धतियों पर चर्चा किया गया जिला मत्स्य कार्यालय, गया के उपमत्स्य निदेशक डॉ विपिन ने किसानों को मछली पालन में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर प्रकाश डाला वही गया जिला मत्स्य पदाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार ने किसानों को सरकार के विभिन्न योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मानपुर, टेकरी, बेलागंज के 70 किसान शामिल हुए। किसानों ने इस प्रशिक्षण का लाभ उठाया और उत्तम जल कृषि प्रबंधन एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रवासियों की विषय पर प्रशिक्षण लेकर मछली पालन की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ेगी और गया के किसान मछली उत्पादकता में अपनी अलग पहचान बनाएगी।